

Report: Vinayak Damodar Savarkar Jayanti

The EBSB Club of the College organized a special lecture on the occasion of the birth anniversary of Sri *Vinayak Damodar Savarkar*, the great revolutionary leader. This online lecture was organized in collaboration with Azadi ka Amrit Mahotsav programme of the Government of India on 28th May 2022 via google meet. The program began with the welcome address by Dr Raghavendra Mishra who introduced the theme of the lecture to the participants.

The Keynote Speaker Dr Sanobar Haider-Assistant Professor, Department of History spoke at length about the life of V.D.Savarkar, the legendary hero of India's struggle for freedom. She talked about his glorious background and how gradually he got influenced by the revolutionary zeal of the leaders like Lokmanya Tilak and V.B Phadke. Dr Sanobar Haider told the participants about how Veer Savarkar inspired the Indian freedom struggle and instilled fear in the minds of the British Government. She lauded his contribution and expressed the need to celebrate the great leader and his contributions towards the cause of Indian independence.

The lecture concluded with a question answer round and a vote of thanks by Dr Raghavendra Mishra.

The programme was attended by staff and students of the College.

75
Azadi Ka
Amrit Mahotsav



Patron :Professor Dr Suman Gupta

Convenor

Dr Raghavendra
Mishra



Date-

28th May 2022

Time-

11:30 A.M

Via Google Meet

**A lecture: Vinayak
Damodar Savarkar and
the Indian Revolutionary
Movement**


**Speaker: Dr Sanobar
Haider-Assistant
Professor,
Department of
History**



Dr S



डॉ० राघवेन्...



Moham...



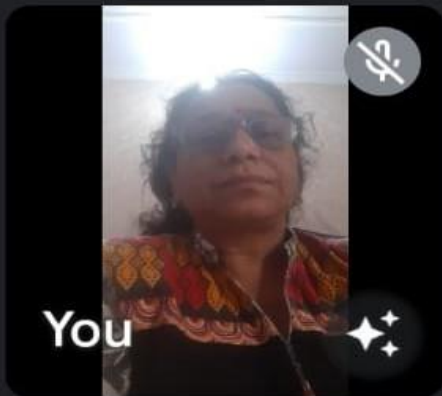
Usha




Ajeetku...



Anjali



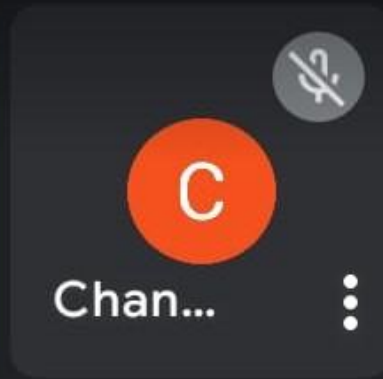
You



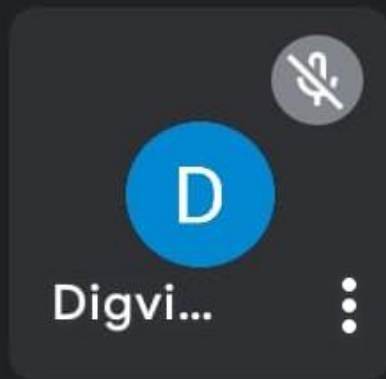
Dheeraj
31 others



Profile card for 'rashmi' with a purple circle containing the letter 'r'. It features a blue mute icon in the top right and a three-dot menu icon in the bottom right. The card is highlighted with a blue border.



Profile card for 'Chan...' with an orange circle containing the letter 'C'. It features a grey mute icon in the top right and a three-dot menu icon in the bottom right.



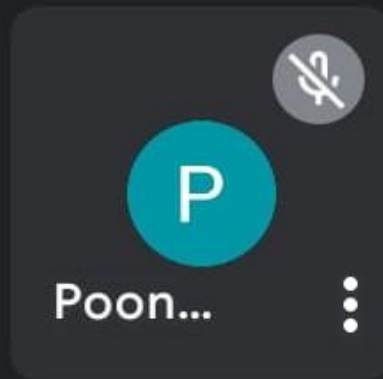
Profile card for 'Digvi...' with a blue circle containing the letter 'D'. It features a grey mute icon in the top right and a three-dot menu icon in the bottom right.



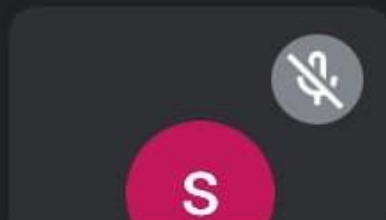
Profile card for 'Mani...' with a white circle containing the letter 'M'. It features a grey mute icon in the top right and a three-dot menu icon in the bottom right.



Profile card for 'डॉ० रा...' showing a video thumbnail of a man with glasses and a mustache. It features a three-dot menu icon in the bottom right.



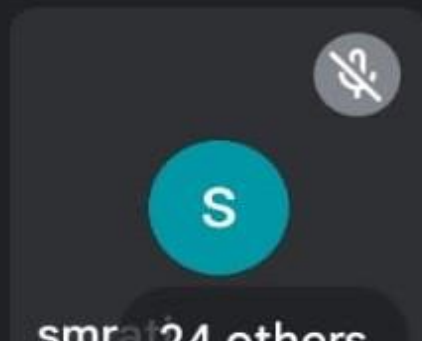
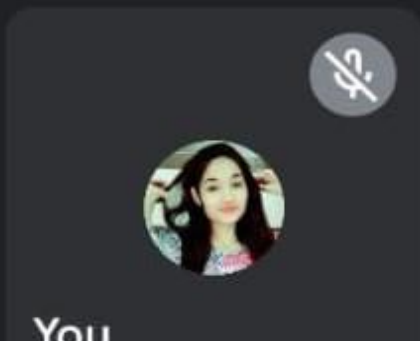
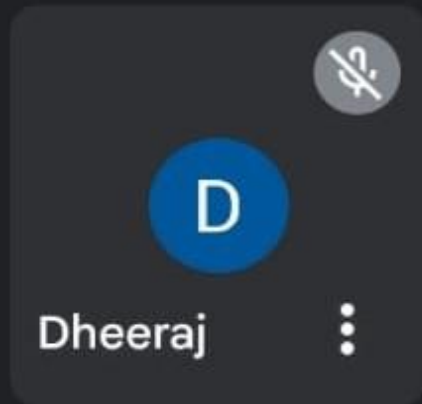
Profile card for 'Poon...' with a teal circle containing the letter 'P'. It features a grey mute icon in the top right and a three-dot menu icon in the bottom right.



Profile card for 'S' with a pink circle containing the letter 'S'. It features a grey mute icon in the top right.



Profile card showing a video thumbnail of a woman with glasses. It features a blue mute icon in the top right.



आजादी के महानायक थे वीर सावरकर : डॉ. सनोबर

महाराजा बिजली
पासी राजकीय
महाविद्यालय में
वेबिनार का आयोजन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम की श्रृंखला में विनायक दामोदर सावरकर की जयंती पर महाराजा बिजली पासी राजकीय महाविद्यालय लखनऊ में क्रांतिकारी आंदोलन के विकास में वीर सावरकर का योगदान



विषय पर एक वेबिनार का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में महाविद्यालय के इतिहास विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. सनोबर हैदर ने विचार रखते हुए सावरकर को आजादी का महानायक सिद्ध करते हुए भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में उनके अतुलनीय योगदान को रेखांकित किया। उन्होंने

कहा सावरकर एक कुशल राजनीतिज्ञ, कवि, लेखक और नाटककार थे। सावरकर के राजनीतिक दर्शन में उपयोगितावाद, तर्कवाद, प्रत्यक्षवाद, मानवतावाद, सार्वभौमिकता, व्यावहारिकता और यथार्थवाद के तत्व प्रमुखता से विद्यमान थे। सावरकर भारत के पहले व्यक्ति थे, जिन्होंने लंदन में ब्रिटिश हुकूमत के विरुद्ध क्रांतिकारी आंदोलन का बिगुल बजाया। उन्होंने स्वदेशी का नारा दिया और विदेशी कपड़ों की होली जलाई। सावरकर ने सन् 1857 की लड़ाई को भारत का प्रथम स्वाधीनता संग्राम बताते हुए 1907 में लगभग एक हजार पृष्ठों का इतिहास लिखा। सावरकर दुनिया के एकमात्र लेखक थे, जिनकी पुस्तक को प्रकाशित होने के पहले ही ब्रिटिश साम्राज्य की सरकारों ने प्रतिबन्धित कर दिया था। कार्यक्रम का संचालन महाविद्यालय के सहायक प्रोफेसर (हिंदी विभाग) डॉ. राघवेंद्र मिश्र ने किया।

सावरकर ने लिखा था हजार पृष्ठों का इतिहास : डॉ. सनोबर

संदेश वाहक, लखनऊ। विनायक दामोदर सावरकर जयंती पर आशियाना के महाराजा बिजली पासी राजकीय महाविद्यालय में क्रांतिकारी आंदोलन के विकास में वीर सावरकर का योगदान विषय पर वेबिनार का आयोजन किया गया।

लखनऊ अमृत महोत्सव कार्यक्रमों की श्रृंखला में सम्पन्न वेबिनार में मुख्य वक्ता के रूप में महाविद्यालय के इतिहास विभाग की असि. प्रो.

डॉ. सनोबर हैदर मौजूद थी।

उन्होंने सावरकर को आजादी का महानायक सिद्ध करते हुए भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में उनके अतुलनीय योगदान को रेखांकित किया। साथ ही सावरकर के सम्बन्ध में इतिहास से जुड़े तमाम अनभिज्ञ पहलुओं एवं तथ्यों की जानकारी भी उपलब्ध कराई। सावरकर उन पहले भारतीयों में से एक थे। जिन्होंने पूर्ण स्वतंत्रता की मांग की।

त
वरि
—
;
निग
स्थि
पुति
नग
उसे
जिग
प्रत
मौं
कि
जेस
गए